भारत के पास एक अच्छी गेंदबाजी लाइनअप हैं, खासकर यहां घरेलू परिस्थितियों में। इसलिए, वे चुनौती पेश करेंगे मगर अच्छी बात यह है कि हमने उन्हें बहुत खेला है। **-पैट कमिंस**

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, भारत के विरुद्ध होने वाले मुकाबले को लेकर।

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा के पास खिताबों की भरमार है लेकिन ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता इस खिलाड़ी का मानना है कि वह अभी तक अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाये हैं। उनका लक्ष्य 90 मीटर की दूरी तय कर लगातार इसे हासिल करना है। वह अगले साल के पेरिस खेलों के लिए तैयार हैं। हरियाणा के 25 वर्षीय खिलाड़ी ने मौजूदा सत्र में अधिकांश समय कमर में खिंचाव के बाद भी अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता। वह सितंबर में डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

एशियाई खेल : भारत ने एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 28 स्वर्ण सहित 107 पदक जीते

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले एक पखवाड़े में अपने खून, पसीने और कड़ी मेहनत से एशियाई खेलों में 107 पदकों के जादुई आंकड़े को छूकर देश को समय से पहले दिवाली का तोहफा देने के साथ 2024 के पेरिस ओलंपिक में अब तक की सबसे अच्छे प्रदर्शन का भरोसा दिया।

भारतीय खिलाड़ियों की स्पर्धाएं शनिवार को समाप्त हो गयी। रविवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन निर्धारित कुछ स्पर्धाओं में देश का कोई भी एथलीट मैदान में नहीं है। भारतीय खिलाड़ियों ने हांगझोउ में 107 पदक के साथ नया रिकॉर्ड कायम किया। खिलाडियों के जहन में यह आंकड़ा कम से कम 2026 में जापान के आइची-नागोया में होने वाले अगले खेलों तक जरूर रहेगा। भारतीय खिलाड़ियों ने 2018 में इंडोनेशिया में 70 पदक जीते थे लेकिन हांगझोउ में उन्होंने बड़ा सुधार करते हुए 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक जीते। भारत को सबसे ज्यादा आश्चर्यचकित एथलेटिक्स के परिणाम ने किया। भारतीय एथलीटों ने अपने अभियान के आखिरी दिन 12 पदक जीते जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक है। कुश्ती में बजरंग पूनिया ने निराश किया तो वहीं बैडमिंटन के पुरुष युगल में सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रशंसकों को खुश किया।

एशियाई खेलों में पदक की स्थिति

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	197	108	70	375
जापान	49	63	68	180
दक्षिण कोरिया	39	58	89	186
भारत	28	38	41	107
उज़्बेकिस्तान	21	18	31	70
चीनी ताइपे	18	19	28	65
ईरान	13	21	19	53
थाईलैंड	12	14	31	57
बहरीन	12	3	5	20
उत्तर कोरिया	11	18	10	39

14वें दिन भारत की पदक विजेता सूची

1. ज्योति सुरेखा वेन्नम महिला कंपाउंड तीरंदाजी स्वर्ण
2. ओजस देवताले पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी स्वर्ण
3. अभिषेक वर्मा पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी रजत
4. अदिति स्वामी महिला कंपाउंड तीरंदाजी कांस्य
5. कबड्डी महिला टीम स्वर्ण
6. कबड्डी पुरुष टीम स्वर्ण
7. एस. रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी बैडमिंटन पुरुष युगल स्वर्ण
8. हॉकी महिला टीम कांस्य
9. क्रिकेट पुरुष टीम स्वर्ण
10. शतरंज पुरुष टीम रजत
11. शतरंज महिला टीम रजत
12. दीपक पूनिया फ्रीस्टाइल कुश्ती (86 किग्रा) रजत

कबड्डी में पुरुष और महिला टीमों ने जकार्ता में निराशा झेलने के बाद वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीते। युवा तीरंदाज ओजस देवताले और अभिषेक वर्मा ने कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण-रजत पदक हासिल किया। तीरंदाज ज्योति वेन्नम ने भी देश की प्रतियोगिता के अंतिम दिन अपना स्वर्णिम क्षण बिताया। व्यक्तिगत महिला कंपाउंड स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल कर उन्होंने इस खेल की महाशक्ति दक्षिण कोरिया को दिखाया कि भारत अब उनकी बराबरी कर रहा है। पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने दिन के अंत में देश को दो रजत पदक दिलाये जिससे भारत चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद चौथे स्थान पर है। भारत के चौथे स्थान पर बदलाव की संभावना नहीं है क्योंकि पांचवें स्थान पर मौजूद उज्बेकिस्तान के पास भारत के 28 की तुलना में 20 स्वर्ण हैं। निशानेबाजों (22) और ट्रैक एवं फील्ड एथलीटों (29 पदक) से भी भारत की झोली में 51 पदक आ गये। भारतीय दल ने कई अप्रत्याशित पदक भी जीते जिसमें महिला टेबल टेनिस टीम का कांस्य (सुतीर्था मुखर्जी और अहिका मुखर्जी) शामिल है। पारुल चौधरी ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में आखिरी 30 मीटर में कमाल करके स्वर्ण जीत लिया। भाला फेंक में ओलंपिक और विश्व चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण और किशोर जेना ने रजत पदक जीता। केनोइंग में अर्जुन सिंह और सुनील सिंह ने ऐतिहासिक कांस्य जीता।

कबड्डी : बेटियों ने भारत को दिलाया ऐतिहासिक सौंवा पदक

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को रोमांचक मुक़ाबले में चीनी ताइपे को 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। एशियाई खेलों के 72 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब भारत ने पदकों की सेंचुरी पूरी की है। इसमें 25 स्वर्ण, 35 रजत और 40 कांस्य पदक शामिल है। इस बार एथलेटिक्स में प्रदर्शन सबसे शानदार रहा है जिसमें अकेले भारत को 29 पदक मिले हैं जबकि शूटिंग में भारत के खाते में 22 पदक आये हैं।

महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत का तीसरा महिला कबड्डी खिताब था, जबकि चीनी ताइपे ने हांगझोउ में अपने 2018 के कांस्य को रजत में प्रोन्नत किया। स्वर्ण पदक मैच शुरुआती मैच की तरह ही कड़ा मुकाबला था। दूसरे हाफ में चीनी ताइपे ने भारतीय टीम को ऑलआउट कर दिया, हालांकि रेडिंग विभाग में भारत ने उन्हें पछाड़ दिया।

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने इससे पहले हांगझोउ 2010 और इंचियोन 2014 में गोल्ड मेडल जीता था जबकि जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में टीम को ईरान के ख़िलाफ़ हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। पुष्पा राणा और पूजा हाथवाला ने भारत के लिए रेड की शुरुआत की। एशियन गेम्स 2023 कबड्डी के ग्रुप स्टेज मुक़ाबलों में भारत ने चीनी ताइपे के ख़िलाफ़ पहला मैच ड्रॉ (34-34) खेला, और उसके बाद दक्षिण कोरिया (56-23) और थाईलैंड (54-22) को हराया था।

जापान को हराकर भारत ने जीता कांस्य पदक

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को कांस्य पदक मुकाबले में जापान को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हरा दिया। भारतीय महिलाओं ने एशियाई खेलो में चौथी बार हॉकी के कांस्य पदक पर कब्जा जमाया है। इससे पहले भारत ने 1986, 2006 और 2014 के एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा महिला हॉकी टीम ने 1982 में नई दिल्ली में खेले गये एशियाई खेल में स्वर्ण पदक जीता था जबकि 2018 में इंडोनेशिया के जकार्ता में खेले गये एशियन गेम्स में भारत के हाथ चांदी लगी थी।

कांस्य पदक मुकाबले के पांचवे मिनट में दीपिका ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी मगर जापान की युरी नागाई ने 30वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर से गोल करके हिसाब बराबर कर दिया। इस बीच भारत ने जापान पर जबरदस्त आक्रमण किये मगर रक्षा पंक्ति ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। सुशीला चानू ने आखिरकार 50वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर से एक और गोल कर स्कोर को 2-1 कर दिया जो अंत तक बरकरार रहा। इसके साथ ही भारत ने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स का बदला भी पूरा कर लिया जहां फाइनल में जापान ने भारत को 2-1 से हराया था।

तीरंदाजी : भारत ने कंपाउंड स्पर्धा में किया क्लीन स्वीप

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण देवताले ने एशियन गेम्स की तीरंदाजी स्पर्धा में भारत के लिये महिला और पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते जबकि अभिषेक वर्मा ने रजत और अदिति गोपीचंद स्वामी महिलाओं की कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। तीरंदाजी में भारत के खाते में अब तक नौ पदक आये है जिसमें से सात पदक कंपाउंड तीरंदाजों ने अपने नाम किए हैं। इसके साथ ही भारत ने इस कैटेगरी को सभी पांच स्वर्ण पदकों के साथ क्लीन स्वीप किया।

ज्योति सुरेखा ने महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में दक्षिण कोरिया की चेवोन सो को 149-145 से हराकर तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। इससे पहले वह महिला और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में भी स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में ओजस प्रवीण देवताले ने हमवतन अभिषेक वर्मा को 149-147 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि अभिषेक को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, वहीं अदिति गोपीचंद स्वामी ने महिलाओं के व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में इंडोनेशिया की रतिह ज़िलीज़ाती फादली को 146-140 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

कुश्ती में पूनिया ने भारत के लिये जीता रजत

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता दीपक पूनिया को एशियाई खेल में 86 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती वर्ग के खिताबी मुकाबले में शनिवार को ईरान के हसन यज़दानी से हार कर रजत पदक पर संतोष करना पड़ा। इस जीत के साथ भारत ने कुश्ती में एक रजत और पांच कांस्य पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया। रियो 2016 ओलंपिक चैंपियन और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता ईरान के हसन यज़दानी ने पहले चरण में ही आठ अंक की बढ़त बना ली थी। पूनिया ने दूसरे राउंड में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन ईरानी पहलवान अपने एशियन गेम्स के खिताब का बचाव करने में सफल रहे। दीपक पूनिया ने इससे पहले राउंड ऑफ 16 में अपने अभियान की शुरुआत तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर इंडोनेशिया के रैंडा रियानडेस्टा पर जीत हासिल करते हुए की थी।

सात्विक-चिराग ने दिलाया ऐतिहासिक स्वर्ण पदक

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। चीन के हांगझोउ में खेले जा रहे 19वे एशियाई खेलों में भारत का स्वर्णिम सफर जारी है। भारत ने शनिवार को न सिर्फ पदक तालिका में पहली बार 100 के पार पहुंचने का रिकार्ड बनाया बल्कि एशियाई खेलों में पहली बार बैडमिंटन का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बैडमिंटन के पुरुष युगल फाइनल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने दक्षिण कोरिया के चोई सोल्ग्यू और किम वोन्हू को 21-18, 21-16 से हराकर एशियाई खेलों में भारत के लिये पहला बैडमिंटन स्वर्ण पदक जीता। ज्ञातव्य है कि इससे पहले भारत ने एशियाई खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता था। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में महिला एकल स्पर्धा में रजत पदक जीता था।

दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने दक्षिण कोरियाई जोड़ी को 56 मिनट के खेल में 21-18, 21-16 से हरा कर ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। चोई और किम ने भारत की शीर्ष वरीय जोड़ी का साहस के साथ मुकाबला किया। इस बीच सात्विक और चिराग ने कुछ अच्छे ड्रॉप शॉट, स्मैश और बैकहैंड शॉट लगाते हुए पहला गेम 29 मिनट का समय लेकर 21-18 से अपने नाम किया।

दूसरा गेम भी बेहद रोमांचक रहा और दोनों ही टीमों ने लगातार बेहतरीन प्रयास किए लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने विरोधी जोड़ी के ख़िलाफ़ ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बनाए रखी। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद लगातार कई शानदार शॉट लगाते हुए विरोधी टीम को ग़लती करने के लिए मज़बूर किया। चोई सोल्ग्यू और किम वोन्हू ने ब्रेक के बाद अपने स्कोर में 8 अंक का इज़ाफ़ा ज़रूर किया लेकिन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भारत को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाने के लिए दूसरे गेम को 21-16 से जीत लिया। गौरतलब है कि इससे पहले भारतीय पुरुष टीम ने रजत और एचएस प्रणॉय ने पुरुष एकल का कांस्य पदक अपने नाम किया था।

वर्षा बाधित मुकाबले में भारत के हाथ आया गोल्ड

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। एशियन गेम्स में पहली बार शिरकत कर रही भारतीय क्रिकेट टीम ने शनिवार को वर्षा के कारण रद्द किये गये मुकाबले में बेहतर टी20 रैंकिंग के आधार पर स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि अफगानिस्तान की टीम को रजत पदक पर संतोष करना पड़ा।

टॉस जीत कर भारत ने अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। अफगानिस्तान ने 18.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 112 रन बनाये थे कि तेज बारिश के कारण मैच रोकना पड़ा। इस बीच मैदान पर वर्षा की रफ्तार कम नहीं हुयी और मैदानी अंपायरों ने मैच को रद्द घोषित कर दिया। भारत को रद्द मैच में बेहतर आईसीसी रैंकिंग का लाभ मिला और उसे स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से और क्वार्टरफाइनल में नेपाल को 23 रनों से हराया था। उधर कांस्य पदक मुकाबले में बांग्लादेश ने डीएलएस पद्धित के आधार पर पाकिस्तान को छह विकेट से हराया। वर्षा के कारण ओवरों की संख्या घटाकर पांच-पांच कर दी गयी थी। बांग्लादेश ने निर्धारित पांच ओवर में चार विकेट खोकर 65 रन बनाये जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम पांच ओवर में एक विकेट पर 48 रन ही बना सकी।

भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने शतरंज में जीती चांदी

हांगझोउ, 7 अक्टूबर। भारत की पुरुष और महिला टीमों ने एशियाई खेलों में शनिवार को शतरंज में रजत पदक अपने नाम किये। महिला टीम स्पर्धा में कोनेरू हम्पी, हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, वंतिका अग्रवाल और सविता श्री बी की भारतीय टीम ने अपने नौ राउंड में सात जीत हासिल की। टीम को एक मैच में हार मिली, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनकी एकमात्र हार चौथे राउंड में मेज़बान चीन के ख़िलाफ़ 2.5-1.5 से थी। भारत ने फाइनल राउंड में चीन रिपब्लिक को 4.0:0.0 से हराकर रजत पदक जीता। चीन ने आठ जीत और एक ड्रॉ के साथ महिलाओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। छह जीत, एक ड्रॉ और दो हार के साथ कजाकिस्तान को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस बीच, गुकेश डी, विदित गुजराती, अर्जुन एरिगैसी, पेंटाला हरिकृष्णा और रमेशबाबू प्रगनानंद पुरुष टीम स्पर्धा में ईरान से पिछड़ गए। ईरान ने अपने नौ राउंड में सात जीत और दो ड्रॉ दर्ज किए, जबकि भारत ने छह जीत और तीन ड्रॉ खेले। उज्बेकिस्तान ने छह जीत, दो ड्रॉ और एक हार के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय पुरुष टीम ने फिलीपींस के ख़िलाफ़ 3.5:0.5 से जीत के साथ अपना पदक पक्का कर लिया। भारत की एशियन गेम्स 2023 मेडल टैली में भारतीय शतरंज टीम ने दो रजत पदक जोड़े।

अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश को मिली आसान जीत

धर्मशाला, 7 अक्टूबर। मेहदी हसन मिराज (57 रन और 25 रन पर तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से बांग्लादेश ने शनिवार को यहां आईसीसी विश्व कप मुकाबले में अफगानिस्तान को 92 गेंद शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुये 37.2 ओवरों में 156 रन पर सिमट गयी। बांग्लादेश ने जीत का आसान लक्ष्य 34.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। बांग्लादेश की आसान जीत के नायक मेहदी हसन मिराज बने जिन्होने पहले अफगानिस्तान के कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (18),राशिद खान (9) और मुजीब उर रहमान (1) का विकेट लिया और बाद में अर्धशतकीय पारी खेल कर अपनी टीम की जीत को और आसान बना दिया। उन्हे प्लेयर आफ द मैच चुना गया। नजमुल शान्तो 59 रन बना कर नाबाद लौटे। उन्होने मिराज के साथ 97 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी की जब टीम 27 रन पर दो अहम विकेट गंवा कर कुछ मुश्किल में फंस चुकी थी। इससे पहले इब्राहम जरदान (22) और रहमत शाह (18) ने अफगानिस्तान को संतुलित शुरूआत दी थी। जरदान के आउट होने के बाद कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (18) ने शाह के साथ मिलकर टीम के स्कोर को एक विकेट पर 83 तक पहुंचा दिया था मगर शाकिब अल हसन ने जरदान और शाह को नियमित अंतराल में आउट कर अफगान टीम को चोट दी जबकि बाद में मिराज ने शहीदी को विकेट के पीछे आउट कराया और अफगानिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 112 रन हो गया। शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी डगमगाने लगी और बांग्लादेशी गेंदबाजों की पकड़ मजबूत होती है। मध्यक्रम के फ्लाप होने के परिणामस्वरूप बाकी बचे सात बल्लेबाज टीम के स्कोर में मात्र 44 रन जोड़ कर पवेलियन लौट गये।

श्रीलंका को 102 रनों से रौंदकर द. अफ्रीका ने किया सिंहनाद

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। क्विंटन डिकॉक (100), रासी वान दर दुर्से (108) और एडन मारक्रम (106) के तूफानी शतकीय प्रहारों बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में शनिवार को श्रीलंका को 102 रनों से हरा दिया।

अरुण जेटली स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पांच विकेट पर 428 रन बनाये जिसके जवाब में श्रीलंका की पारी 44.5 ओवर में 326 रनों पर सिमट गयी। रनो की बरसात के बीच इस मैच में पांच रिकार्ड भी बने। मारक्रम ने मात्र 49 गेंदो पर शतक जड़कर एक दिवसीय मैच में सबसे तेज शतक बनाने का रिकार्ड बनाया वहीं श्रीलंका के कुसल मेंडिस ने मात्र 25 गेंदो पर अर्धशतक बनाकर एक रिकार्ड बनाया। इस मैच में दोनो टीमो ने कुल मिलाकर 754 रन बनाये जो एक दिवसीय मैचों के इतिहास में सबसे ज्यादा स्कोर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के तीन बल्लेबाजों ने शतक ठोक कर विश्व कप में एक कीर्तिमान और जोड़ दिया।

टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी का न्योता श्रीलंका को काफी महंगा पड़ा। कप्तान तेम्बा बावूना (8) को सस्ते में निपटाने के बाद श्रीलंका के गेंदबाज को कतई अनुमान नहीं रहा होगा कि बाकी के समय उनकी किस कदर से धुलायी होने वाली है। पहले क्विंटन डिकॉक और दुर्से के बीच दोहरी शतकीय साझीदारी हुयी जबकि बाद में दुंसे ने एडम मारक्रम के साथ शतकीय भागीदारी निभा कर अपनी टीम को विशाल स्कोर पर पहुंचाया। मारक्रम ने महज 54 गेंदों पर 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 106 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका के खाते में 264 रन 45 चौकों और 14 छक्कों की मदद से जुड़े। चौके छक्कों की बरसात से हतप्रभ श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अपनी लाइन लेंथ खो दी और 13 वाइड और एक नो बॉल फेंकी।

दसून शनाका को छोड़ कर श्रीलंका के अन्य पांच गेंदबाजों की इकोनॉमी आठ और दस के बीच रही। कसुन रजिता ने एक विकेट के बदले 90 रन खर्च किये जबकि मथीशा पथिराना को एक विकेट के लिये 95 रन लुटाने पड़े।

429 रनो के भारी भरकम स्कोर का पीछा करने उतरे श्रीलंका के बल्लेबाजों ने गजब के साहस का परिचय दिया और विकेट गिरने के बावजूद रनो की गति को कम नहीं होने दिया। कुसल मेंडिस ने आठ छक्के और चार चौकों की मदद से 42 गेंदो पर 76 रन की तूफानी पारी खेली जिसके चलते श्रीलंका 13वें ओवर तक 109 रन बना चुका था। मेंडिस के अलावा चरिथ असलंका (79) और कप्तान दसून शनाका (68) ने भी लक्ष्य तक पहुंचने का भरपूर प्रयास किया जबकि आखिर में कसुन रजिता (33) ने भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की मगर वह रनो के पहाड़ को लांघने में विफल रहे।

जीत के साथ अभियान का आगाज करने उतरेगी भारत

विश्वकप क्रिकेट : ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला आज

चेन्नई, 7 अक्टूबर। घरेलू दर्शकों की मौजूदगी में भारतीय टीम आईसीसी विश्व कप में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अभियान का आगाज करने रविवार को बढ़े मनोबल के साथ उतरेगी। कंगारूओं के लिये अब तक मुफीद चेपाक स्टेडियम की पिच पर दोनो टीमो को दवाब और गर्मी को भी झेलना होगा।कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली के अलावा शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या पर विशेष रूप से मेहमानों की नजर होगी जो दुनिया के किसी भी आक्रमण की बखिया उधेड़ने में सक्षम है जबकि कुलदीप यादव और रविचंद्रन अश्विन टर्न लेती पिच पर आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की परीक्षा लेंगे। चेपॉक की पिच पर बीच के ओवरों में भारतीय स्पिनरों का प्रदर्शन निर्णायक साबित हो सकता है। चेपॉक पर भारत ने 14 वनडे में से सात जीते हैं और छह हारे हैं जबकि एक मैच रद्द हो गया था। वैसे तो शुभमन गिल के अंतिम एकादश में शामिल होने को लेकर संस्पेंस बना हुआ है मगर कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि वह इस बारे में अंतिम फैसला मैच शुरु होने से पहले लेंगे क्योंकि उन्हे उम्मीद है कि गिल अपनी बीमारी से उबरने में सफल हो सकते हैं। मैच पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में रोहित ने कहा कि उनके पास तीन तेज गेंदबाज और तीन फिरकी गेंदबाजों को खिलाने का विकल्प खुला है। हार्दिक पांड्या की इस बारे में भूमिका अहम होगी। रोहित शर्मा के पास कप्तान के तौर पर विश्व कप ट्राफी उठाने का यह पहला और आखिरी मौका होगा जबकि भारतीयों के दिल में बसने वाले विराट कोहली पर भी उम्मीदों का भारी दवाब होगा।

भारत :- रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, शार्दुल ठाकुर। **आस्ट्रेलिया :-** पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कारी, जोश इंगलिस, सीन एबोट, एश्टोन एगर, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जाम्पा, मिचेल स्टार्क।

गिल बीमार है, लेकिन टीम के बाहर नहीं : रोहित

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां खेले जाने वाले मैच सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को अभी बाहर नहीं किया गया है। एमए चिदम्बरम स्टेडियम में भारत रविवार को आईसीसी विश्व कप के अपने पहले मैच में आस्ट्रेलिया से टक्कर लेगा।